भेड़ और बकरी का वार्षिक टीकाकरण एवं स्वास्थ्य प्रबंध

कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र
संयुक्त निदेशालय प्रसार शिक्षा
भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर-243122 (उ०प्र०)

क्र. सं.	टीकाकरण का विवरण	प्रथम टीका	बूस्टर टीका	पुनः टीकाकरण
1.	खुरपका–मुंहपका (FMD)	3 माह की आयु	प्राथमिक टीकाकरण के 3–4 सप्ताह के बाद	6 माह / प्रतिवर्ष
2.	बकरी प्लेग (PPR)	3 माह की आयु	कोई आवश्यकता नहीं	3 वर्ष पश्चात
3.	बकरी चेचक (Goat Pox)	3–5 माह की आयु	प्राथमिक टीकाकरण के 3–4 सप्ताह के बाद	प्रतिवर्ष
4.	भेड़ चेचक (Sheep Pox)	3–5 माह की आयु	प्राथमिक टीकाकरण के 3–4 सप्ताह के बाद	प्रतिवर्ष
5.	इन्टेरोटाक्सीमिया (Enterotoxemia)	3–5 माह की आयु	प्राथमिक टीकाकरण के 3–4 सप्ताह के बाद	प्रतिवर्ष
6.	गलघोंटू (हिमोरेजिक सेप्टीसीमिया–H.S.)	3–5 माह की आयु	प्राथमिक टीकाकरण के 3–4 सप्ताह के बाद	प्रतिवर्ष

- टीकाकरण के समुचित लाभ हेतु टीकाकरण से 7-14 दिन पूर्व परजीवी नाशक दवा पिलाना उपयुक्त रहता है।
- भेड़ चेचक का टीका केवल भेड़ और बकरी चेचक का टीका केवल बकरियों में करना चाहिए।
- **डिवर्मिंग (Deworming):** पेट के कीड़े/अन्त: परजीवी नाशक दवाओं को पिलाना। प्रथम बार डिवर्मिंग 3 माह की आयु में करवा लें। पुन: डिवर्मिंग प्रतिवर्ष मई/जून/मानसून के पहले करवा लें।
- **डिवर्मिंग (Deworming) के लिये दवायें**- एलबेन्डाजोल, फेनबेनडाजोल, निलजान, आइवरमैक्टिन प्रत्येक बार दवा बदल देवें इससे परजीवी के विरूद्ध रजिस्टेंस विकसित नहीं हो पाता है।
- **डिपिंग (Dipping)** बाह्य परजीवियों से बचाव (Ectoparasites) हेतु साल में दो बार गर्मियों और सर्दियों से पहले भेड़ व बकरियों को ब्यूटाक्स या इक्टोमिन या टिकोमैक्स का 0.1 प्रतिशत का पानी में घोल बना कर नहलावें।
- **डिपिंग (Dipping) करते समय सावधानी:** पशु को नहलाने से पहले पानी पिला लें। कम से कम 5-10 भेड़ और बकरियों की टेस्ट डिपिंग 24 घण्टे पहले कर लें। यदि सब ठीक है, तो सभी भेड़ व बकरियों को नहलावें।
- **काक्सीडियोसिस हेतु ड्रेन्चिग (Drenching for Coccidiosis):** इस रोग का प्रभाव 1-6 माह की आयु के बीच ही रहता है। प्रथम बार ड्रेन्चिग 1-3 माह की आयु में दवा जैसे एमप्रोलियम (Amprolium) 50-100 मिलीग्राम/किलोग्राम शरीर की भार की दर से 5 दिनों तक पिलानी चाहिए।
- विभिन्न बिमारियों के बचाव हेतु जन्म के तुरन्त बाद बच्चों को खीस अवश्य पिलायें।

संरक्षण : **डॉ. त्रिवेणी दत्त**, निदेशक एवं कुलपति (कार्यकारी), भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर-243 122 (उ.प्र.)
मार्गदर्शन : **डॉ. हरेन्द्र कुमार**, संयुक्त निदेशक (प्रसार शिक्षा) एवं **डॉ. महेश चन्द्र**, विभागाध्यक्ष (प्रसार शिक्षा विभाग), भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर-243 122 (उ.प्र.)
लेखक : **डॉ. सुमित महाजन**, वैज्ञानिक, औषधि विभाग
संपादन : **डॉ. रूपसी तिवारी**, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी एटिक, भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर-243 122 (उ.प्र.)
अधिक जानकारी हेतु संपर्क: आई.वी.आर.आई. हेल्पलाइन, 0581-2311111, किसान कॉलसेन्टर: 1800-180-1551, आई०वी०आर०आई० वेबसाइट: www.ivri.nic.in
प्रकाशन का वर्ष: 2021